स्वाधीनता संग्राम में पूर्बौत्तर की वीरांगनाएँ

अभ्यासमाला

1. पूर्ण वक्य उत्तर दो :

(क) सवधोनता दिवस कब मानाया जाता है ?

उत्तर : हर साल के 15 अगस्त, के दिन में स्वाधीनता दिवस मनाया जाता है।

(ख) स्वाधीनता से पहले हमारे देश का नियंत्रण किसके हाथों में था ?

उत्तर : स्वाधीनता से पहले हमारे देश का नियंत्रण अंग्रेजों के हाथों में था

(ग) "भारत छोड़ो" आंदोलन के दोरान असम की कौन सी बालिका शहोद हुई थी ? वह कहाँ की रहने वाली थी ?

उत्तर : 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दोरान असम की "कनकलता" नाम की एक बालिका शहीद हुई थी। वह तेजपुर के पास गहपुर नामक जगह पर रहने वाली थी।

(घ) सवाधोनत आंदोलन का नेतृत्व किसने किया था ?

उत्तर : सवाधओनता आंदोलन का नेतृत्व महात्मा गांधो जो न किय था।

(ङ) हेलेन लेपचा किस नाम से जानी जाती थो ?

उत्तर : हेलेन लेपचा सावित्री देवी के नाम से जानी जाती था।

2. नीचे दिए गए कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही अथवा गलत का निशान लगाओ :

(क) देशवासियों ने मिलकर अंग्रेजों के विरोध में आवाज उठाई।

उत्तर : √

(ख) वधनत की लडई पर्वोतर भारत नही लड़ गई।

उत्तर : x

(ग) वर्तमान पूर्वोत्तर भारत में कुल आठ राज्य है।

उत्तर : x

(घ) राणी गाइदिंल्यू असम की वीरांगना थी।

उत्तर : x

(ङ) स्वाधीनता के लिए लड़ने वाले यश के बारे में नहीं सोचते।

उत्तर : √

3. संक्षिप्त उत्तर लिखो :

(क) दोपहर के विराम में कक्षा के भीतर क्या चल रहा था ?

उत्तर : दोपहर के विराम में कक्षा के भीतर तेजपुर जाने वाले और वहां न जा पाने वाले विद्यार्थियों में बातचीत चल रही थी।

(ख) असम की किन्हीं पाँच वीरांगनाओं के नाम बताओ।

उत्तर : असम की पाँच वीरांगनाओं हैं भोगेश्वरी फुकननी, अमलप्रभा दास, पुष्पलता दास, चंद्रप्रभा शइकीयानी, और कनकलता।

(ग) असम से भिन्न पुर्वोत्तर भारत की किन्हीं तीन बीरांगनाओं के नाम और संग्राम-क्षेत्र बताओ।

उत्तर : असम से भिन्न पुर्वोत्तर भारत की तीन बीरांगनाओं के नाम और संग्राम क्षेत्र नीचे उल्लेख किया गया जैसा था

बीरांगना के नाम	**संग्रामक्षेत्र**
नागराणी गाइदिंल्यु	नागालैंड

रोपुइलियानी	मिजोरम
राशिमनी हाजों	मेघालय

(घ) कनकलता किस प्रकार देश की स्वाधीनता के लिए शहीद हो गई।

उत्तर : गधीजी a नेतृत्व मे 1942 ई “भारत छोड़” आंदोलन के दौरा

तेजपुर के पास गहपुर नामक जगह में थाने पर हमारा तिरंगा फहराने के लिए लोग जुलूस बनाकर आए थे। इस जुलूस के सबसे आगे तिरंगा लेकर बढ़ रही थी। कनकलता। पुलिस ने जुलूस को रोका। परंतु कनकलता के मन में आजादी की धून सवार थी। वह आगे बढ़ी, तो थाने के दारोगा ने गोली चला दी। इस प्रकार कनकलता देश की आजादी के लिए शहीद हो गई।

पाठ के आस-पास

1. सोचो और लिखो :

(क) तुम्हारे विद्यालय में स्वाधीनता दिवस कैसे मनाया जाता है ?

उत्तर : छात्र-छात्रा खुद करे।

(ख) तुम स्वाधीनता दिवस के अवसर पर क्या-क्या करते हो ? एक तालिका बताओ।

उत्तर : छात्र-छात्रा खुद करे।

(ग) तुम्हारे अंचल के स्वाधीनता सेनानियों के नाम निम्न तालिका में भरो :

पुरुष	**महिला**
....	....
....	....
....	....
....	....

इनमें से किसी एक के बारे में छोटा-सा अनुच्छेद लिखो।

उत्तर : छात्र-छात्रां खुद करे।

(घ) नीचे दी भिन्न समयों में संघटित स्वतंत्रता आंदोलनों का उल्लेख किया गया है। इन दोनों आंदोलनों में नेतृत्व देने वाले दो-दो स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखो :

(अ) 1857 ई का आंदोलन।

(आ) 1942 ई का आंदोलन।

उत्तर : (अ) 1857 ई का आंदोलन के दो प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी है झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई और मंगल पांडे।

(आ) 1942 ई का आंदोलन के दो प्रमुख खतंत्रता सेनानी है महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू ।

2. भारतवर्ष को अंग्रेजी के शासन से मुक्त कराने के लिए जनता को क्या-क्या करना पड़ा होगा, उसके बारे में क्या जानते हो? सामूहिक परिचयो का आयोजन करके अपना-अपना अनुभव कक्षा में व्यक्त करो।

उत्तर : छात्र-छात्रां खुद करें।

भाषा अध्ययन

आओ, जाने :

1. **(क) कनकलता साहसी लड़की थी। वह स्वाभिमानो थी। उसने ओजस्वी भषण रखा। उसने प्यारे तिरंगे की थाने में फहराने का निस्वय किया।**

उपर रेखांकित शब्द बिशषण हैं। जो शब्द संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताए उसे विशेषण कहते हैं। अब तुम भी कुछ विशेषण शब्द खोजो और उनसे वाक्य बनाओ।

उत्तर : 1. रतन पढ़ाई में बहुत तेज है।

2. शीता ने सफेद साड़ी पहन रखी थी।

3. गुलाव लाल रंग के भी होते हैं।

4. असम की चाय बहुत अच्छी है।

5. घोड़ा तेज दौड़ सकता है।

(ख) नेहा छोटी लड़की है। अरुप छोटा लड़का है। तीन छोटे लड़के जा रहे हैं। उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द क्रमश: छोटी, छोटा, और छोटे हैं। पहले वाक्य में कर्ता 'नेहा' स्त्रीलिंग एकवचन की है। एसिलिए विशेषण 'छोटी' है। दुसरे वाक्य में कर्ता अरूप है जो पुलिंग एकवचन का है। एसिलिए बिशेषण "छोटा' है। तीसरे वाक्य में तीन लड़के पुलिलंग बहुवचन है, इसिलिए छोटे विशेषण रूप है। इस तरह लिंग, बचन के अनुचार बिशेषण का परिवर्तन हो जाता है। ऐसे कुछ उदाहरण देने की कोशिश करो।

(नेहा छोटी लड़की है। अरूप छोटा लड़का है। तीन छोटे लड़के जा रहे हैं।

उत्तर : 1. घोड़ा दौड़ता है।

2. घोड़ी बैठी है।

3. घोड़े चरते है।

(ग) सही विशेषण चुनकर वाक्यों को पूरा करो :

(i) वह बच्चा कितना .... है! (प्यारी, प्यारे, प्यारा)

उत्तर : वह बच्चा कितना प्यारा है।

(ii) उसका परिवार .... है। (बड़े, बड़ा, बड़ी)

उत्तर : उसका परिवार बड़ा है।

(iii) कक्षा में अनेक .... लड़के है। (अच्छा, अच्छे, आच्छी)

उत्तर : कक्षा में अनेक अच्छे लड़के है।

(iv) किसी की .... नजर से मत देखी (बुरा, बुरे, बुरी)

उत्तर : किसि की बुरी नजर से मत देखो।

2. नीचे लिखे वाक्यों को ध्यान से देखो :

रमेश ने पुस्तक पढ़ी। सीमा ने खाना खाया है।राजेश ने अभिनय किया था। लता ने भीत भाया होगा। ऊपर लिखे वाकयों में 'ने' चिह्न का प्रयोग हुआ है। वाक्य में कर्ता के

• साथ 'ने' चिह्न का प्रयोग होता है। परंतु यह चिह्न वर्तमान काल तथा भविष्यत काल में प्रयुक्त नहीं होता। यह भूतकाल के केवल चार भेदों

• सामान्य, आसन्न, पूर्ण और संदिग्ध भूत में ही प्रयुक्त होता है। यह चिह्न तथी प्रयोग किया जाता है, जब क्रिया के साथ कर्म हो।

अब 'ने' चिह्न का प्रयोग करके पाँच वाक्य बनाओ और शिक्षक/शिक्षिका को दखाओ।